(1)

University of Rajasthan
Jaipur

SYLLABUS

M.A. Sanskrit

(Semester Scheme)

I & II Semester 2020-21

III & IV Semester 2021-22

Scheme of Examination

एम. ए. सेमेस्टर पाठ्यक्रम सत्र

2020—2021 (I[st] & II[nd] Semester)

सत्र 2021-2022 (III[rd] & IV[th] Semester)

Note : The paper consists of two parts.

Part-I : Carries 20 Marks and consists of 10 compulsory question of 2 marks each to be answered.

Part-II : Consists of four questions with internal choice (except in cases where a different scheme is speciafically specified in the syllabus) of 20 marks each. The limit of answer will be maximum five pages.

नोट : इस प्रश्न पत्र के दो भाग हैं –

प्रथम भाग : 20 अंको का होगा जिसमे दस अनिवार्य प्रश्न होंगे। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का होगा।

द्वितीय भाग : 20–20 अंक के चार प्रयन (आन्तरिक चुनाव के साथ) होंगें (उन स्थितियों के अतिरिक्त जहां पाठ्यक्रम में कोई भिन्न स्कीम विशेष तौर पर दी गयी हो) उत्तर की सीमा अधिकतम पांच पृष्ठ होगी।

Note : This examination scheme is common for all the papers of M.A. Sanskrit Examination Semester Scheme.

एम.ए. के प्रत्येक (प्रथम, द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ) सेमेस्टर में कुल सात प्रश्न पत्र होगें जिनमें से विधार्थी को छः प्रश्न पत्र करने हैं। प्रत्येक प्रश्न पत्र का पूर्णांक 100 अंक हैं। प्रश्न पत्र 20–20 अंक के पाँच प्रश्नों में विभाजित होगा प्रथम प्रश्न पत्र में 2–2 अंक के 10 लघूत्तरात्मक प्रश्न पूछे जायेगें तथा यह अनिवार्य होगा। शेष प्रश्नों में अथवा की वैकल्पिक व्यवस्था होगी। विधार्थी के लिए तीन प्रश्न पत्र अनिवार्य तथा शेष चार में से तीन ऐच्छिक प्रश्न पत्रों के चयन की छूट होगी।

एम.ए. प्रथम सेमेस्टर के प्रश्न पत्रों का विवरण

अनिवार्य प्रश्न पत्र	पेपर कोड़	प्रश्न पत्र का नाम	पूर्णांक
1.	**San-101**	भारतीय दर्शन	100 अंक
2.	**San-102**	भारतीय काव्यशास्त्र एवं व्याकरणशास्त्र	100 अंक
3.	**San-103**	ललित साहित्य	100 अंक
ऐच्छिक प्रश्न पत्र			
1.	**San-A01**	वैदिक साहित्य	100 अंक
2.	**San-A02**	धर्मशास्त्र एवं ज्योतिष	100 अंक

Raj (Jai)
Dy. Registrar (Academic-I)
University of Rajasthan
Jaipur

3.	San-A03	भाषा विज्ञान एवं निरुक्त	100 अंक
4.	San-A04	संस्कृत साहित्य का इतिहास, संस्कृति एवं निबन्ध	100 अंक

एम.ए. द्वितीय सेमेस्टर के प्रश्न पत्रों का विवरण

अनिवार्य प्रश्न पत्र	पेपर कोड़	प्रश्न पत्र का नाम	पूर्णांक
1.	San-201	भारतीय दर्शन	100 अंक
2.	San-202	भारतीय साहित्यशास्त्र	100 अंक
3.	San-203	व्याकरण एवं व्याकरण दर्शन	100 अंक
ऐच्छिक प्रश्न पत्र			
1.	San-B01	वैदिक साहित्य	100 अंक
2.	San-B02	साहित्य एवं धर्मशास्त्र	100 अंक
3.	San-B03	ललित साहित्य एवं साहित्यशास्त्र	100 अंक
4.	San-B04	इतिहास एवं पुराण	100 अंक

एम.ए. तृतीय सेमेस्टर के प्रश्न पत्रों का विवरण

अनिवार्य प्रश्न पत्र	पेपर कोड़	प्रश्न पत्र का नाम	पूर्णांक
1.	San-301	व्याकरण	100 अंक
2.	San-302	आधुनिक संस्कृत साहित्य	100 अंक
3.	San-303	साहित्यशास्त्र	100 अंक
ऐच्छिक प्रश्न पत्र			
1.	San-C01	नाटक तथा नाट्यशास्त्र	100 अंक
2.	San-C02	गद्य–पद्य–चम्पू	100 अंक
3.	San-C03	न्याय एवं वेदान्त दर्शन	100 अंक
4.	San-C04	धर्मशास्त्रीय वाङ्मय का परिचय	100 अंक

एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर के प्रश्न पत्रों का विवरण

अनिवार्य प्रश्न पत्र	पेपर कोड़	प्रश्न पत्र का नाम	पूर्णांक
1.	San-401	व्याकरण एवं निबन्ध	100 अंक
2.	San-402	प्राचीन संस्कृत साहित्य	100 अंक
3.	San-403	नाटक तथा काव्यशास्त्र	100 अंक
ऐच्छिक प्रश्न पत्र			
1.	San-D01	साहित्यशास्त्र	100 अंक
2.	San-D02	गद्य–पद्य–चम्पू	100 अंक
3.	San-D03	मीमांसा एवं काश्मीर शैव दर्शन	100 अंक
4.	San-D04	राजस्थान के आधुनिक संस्कृत विद्वान् एवं काव्य	100 अंक

Dy. Registrar (Academic-I)
University of Rajasthan
Jaipur

प्रश्न पत्रों का पाठ्यक्रम एंव अंक विभाजन निम्न प्रकार से हैं–

एम.ए. प्रथम सेमेस्टर 2020–21

San-101 भारतीय दर्शन		
1	सांख्यकारिका–ईश्वरकृष्ण	50
2	तर्कभाषा (प्रामाण्यवादपर्यन्त) केशवमिश्र	50

सहायक पुस्तकें–

1. सांख्यकारिका– उमाकान्त शुक्ल, ज्ञान प्रकाशन, मेरठ
2. सांख्य तत्त्वकौमुदी– रामशंकर भट्टाचार्य, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
3. सांख्यतत्व कौमुदी– डॉ गजानन शास्त्री, मुसलगॉवकर, चौखम्बा, वाराणसी
4. तर्कभाषा– आचार्य विश्वेश्वर सिद्धान्त शिरोमणि, चौखम्बा, वाराणसी
5. तर्कभाषा– आचार्य बदरीनाथ शुक्ल कृत हिन्दी व्याख्या, चौखम्बा वाराणसी
6. भारतीय दर्शन– सं. डॉ. बाबूराम त्रिपाठी, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा
7. भारतीय दर्शन– डॉ. नन्दकिशोर देवराज, उत्तरप्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ
8. इन्ट्रोडक्शन टू इंडियन फिलासफी– दत्ता एवं चटर्जी (हिन्दी व अंग्रेजी संस्करण)
9. भारतीय दर्शन–डॉ. उमेश मिश्र, हिन्दी समिति, उत्तरप्रदेश सरकार, लखनऊ

San-102 भारतीय काव्यशास्त्र एवं व्याकरणशास्त्र		
1	नाट्यशास्त्र भरत (प्रथम एवं षष्ठ अध्याय)	40
2	लघुसिद्धान्त कौमुदी–प्रक्रिया भाग (णिजन्त, सन्नन्त, यङन्त, यङ्लुगन्त, नामधातु, परस्मैपद, आत्मनेपद प्रक्रिया	30
3	काव्यप्रकाश (प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय उल्लास)	30

सहायक पुस्तकें–

1. नाट्यशास्त्र (रसोऽध्याय) डॉ. रामसिंह चौहान महालक्ष्मी प्रकाशन आगरा।
2. नाट्यशास्त्र–सं. डॉ. भोलानाथ शर्मा, साहित्य निकेतन, कानपुर
3. भरतनाट्यशास्त्र– डॉ. ब्रजमोहन चतुर्वेदी, आर्य बुक डिपो, नई दिल्ली
4. नाट्यशास्त्र– डॉ. पारसनाथ द्विवेदी, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा
5. नाट्यदर्पण–डॉ. देवीचन्द्र शर्मा, साहित्य भंडार, सुभाष बाजार, मेरठ
6. लघुसिद्धान्तकौमुदी– भीमसेन शास्त्री, भैमी , दिल्ली
7. लघुसिद्धान्तकौमुदी–– श्रीघरानन्द शास्त्री, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
8. लघुसिद्धान्तकौमुदी– डॉ. अर्कनाथ चौधरी, आयुर्वेद हिन्दी संस्कृत पुस्तक भंडार, जयपुर
9. काव्यप्रकाश–मम्मट व्याख्या– डॉ. पारसनाथ द्विवेदी, विनोद पुस्तक मंदिर आगरा
10. काव्यप्रकाश–आचार्य विश्वेश्वर सिद्धान्त शिरोमणि, ज्ञानमण्डल, वाराणसी
11. रससिद्धान्त की शास्त्रीय समीक्षा–प्रो. सुरजनदास स्वामी, प्रकाशक नीरज शर्मा, जयपुर
12. संस्कृत पोइटिक्स–एस.के. डे, अनु श्री मायाराम शर्मा, बिहीर हिन्दीग्रन्थ अकादमी, पटना

Dy. Registrar (Academic-I)
University of Rajasthan
Jaipur

13. भारतीय साहित्यशास्त्र– डॉ. बलदेव उपाध्याय, नन्दकिशोर एण्ड सन्स, वाराणसी
14. रसालोचनम्– डॉ. ब्रह्मानन्द शर्मा, हंसा प्रकाशन, जयपुर
15. तुलनात्मक काव्याशास्त्र– डॉ राममूर्ति त्रिपाठी, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर
16. भारतीय काव्यसिद्धान्त– डॉ नगेन्द्र, डॉ तारकनाथ बाली, हिन्दी माध्यमा कार्यान्वय निदेशालय, दिल्ली वि.वि., दिल्ली
17. संस्कृत काव्याशास्त्र का इतिहास– म.म.पी.वी. काणे, अनु. डॉ इन्द्रचन्द्र शास्त्री, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली

San-103 ललित साहित्य

1	मेघदूतम्–कालिदास	50
2	मृच्छकटिकम्–शूद्रक	50

सहायक पुस्तकें–

1. संस्कृत के सन्देश काव्य– डॉ. रामकुमार आचार्य
2. मेघदूत–कालिदास– व्या. डॉ. रामकृष्ण आचार्य, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा
3. मेघदूत–डॉ. विजेन्द्र कुमार शर्मा, साहित्य भंडार, सुभाष बाजार, मेरठ
4. कालिदास का भारत– भगवत शरण उपाध्याय, भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली
5. मृच्छकटिकम्– रमाशंकर त्रिपाठी
6. मृच्छकटिकम्– डॉ. श्रीनिवास शास्त्री
7. मृच्छकटिकम्– शास्त्रीय सामाजिक एवं राजनीतिक अध्ययन, डॉ. शालिगराम द्विवेदी

San-A01 वैदिक साहित्य

1	ऋग्वेद अग्नि 1.12, इन्द्र 2.12, विश्वामित्र नदी संवाद 3.33, वाक् 10.125, पुरुष 10.90 नासदीय 10.129, हिरण्यगर्भ 10.121	50
2	अथर्ववेद पृथिवी सूक्त 12.1 (1 से 15 मन्त्र)	10
3	आख्यान शुनःशेप तथा वाङ् मनस्, स्वर–उदात्त, अनुदात्त, स्वरित वैदिक एवं लौकिक संस्कृत में अन्तर वैदिक व्याख्या पद्धति– प्राचीन और अर्वाचीन	10 10 10 10

सहायक पुस्तकें–

1. ऋक्सूक्त वैजयन्ती– डॉ. एच.डी. वेलनकर (पूना से प्रकाशित)
2. ऋक्सूक्त समुच्चय– डॉ. रामकृष्ण आचार्य, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा
3. वैदिक वाङ्मय– एक परिशीलन, डॉ. ब्रजबिहारी चौबे
4. ऋग्भाष्य संग्रह– देवराज्य चानना
5. वैदिक स्वरमीमांसा– श्री युधिष्ठिर मीमांसक
6. ऋग्वेद चयनिका– विश्वम्भरनाथ त्रिपाठी

Dy. Registrar (Academic-I)
University of Rajasthan
Jaipur

7. वेदविज्ञान– कर्पूरचन्द कुलिश, राजस्थान संस्कृत अकादमी, जयपुर
8. निरुक्त– डॉ. कपिलदेव शास्त्री, साहित्य भण्डार, मेरठ
9. निरुक्त– डॉ. श्रीकान्त पाण्डेय, साहित्य भण्डार, मेरठ
10. अथर्ववेद भाष्य– सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा, दिल्ली
11. वैदिक साहित्य और संस्कृति– डॉ. बल्देव उपाध्याय, शारदा मन्दिर, प्रकाशन, वाराणसी
12. वैदिक संग्रह एवं व्याख्या– डॉ. बल्देव सिंह मेहरा, शिव बुक्स इन्टरनेशनल, दिल्ली
13. वेदनवनीतम्– डॉ. (श्रीमति) उर्मिला देवी शर्मा, आस्था प्रकाशन, जयपुर

San-A02 धर्मशास्त्र एवं ज्योतिष		
1	मनुस्मृति (अध्याय 2 एवं 7)	35
2	याज्ञवल्क्य स्मृति –व्यवहाराध्याय (प्रारम्भ से दायविभाग प्रकरण पर्यन्त तक के आठ प्रकरण)	35
3	भारतीय ज्योतिष का इतिहास विस्तृत अंक विभाजन 1. पंचांग परिचय– तिथि, वार, नक्षत्र, योग, करण, तिथिवृद्धि एवं तिथिक्षय, नवग्रहों का स्वरूप, द्वादश राशियों का स्वरूप। 2. फलादेश के सामान्य सिद्धान्त 3. उत्तरभारतीय जन्मकुण्डली के आधार पर बारह भावों के फलादेश। 4. पंचधा मैत्री 5. हस्तरेखा विज्ञान (प्रथम खण्ड)	30

सहायक पुस्तकें–

1. मनुस्मृति– हिन्दी व्या. पं. हरगोविन्द शास्त्री, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी
2. मनुस्मृति– डॉ. गजानन शास्त्री मुसलगांवकर, चौखम्बा वाराणसी
3. मनुस्मृति– रामेश्वर भट्ट, चौखम्बा वाराणसी
4. मनुस्मृति– कुल्लूकभट्ट कृत टीका सहित, शिवराज आचार्य कौण्डिन्न्यायन चौखम्बा, वाराणसी
5. गणतरंगिणी– बापूदेव शास्त्री
6. भारतीय ज्योतिष का इतिहास–शिवनाथ झारखण्डी, हिन्दी संस्थान, लखनऊ
7. भारतीय ज्योतिष–नेमीचन्द शास्त्री
8. हस्तरेखा विज्ञान–गोपेश कुमार ओझा
9. फलित प्रबोधिनी– डॉ. विनोद शास्त्री, जयपुर
10. ज्योतिष प्रारंभिकी–डॉ. विनोद शास्त्री, जयपुर
11. ज्योतिष सर्वस्व – डॉ. सुरेश चन्द मिश्रा, रंजन पब्लिकेशन, दिल्ली
12. याज्ञवल्क्य स्मृति– डॉ उमेश चन्द्र पाण्डेय, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी

San-A03 भाषा विज्ञान एवं निरुक्त		
1	**भाषा विज्ञान एवं अन्य भाषाएँ** भाषा की परिभाषा, अर्थ, स्वरुप, बोली, भाषा और विभाषा, विविध मत,	50

Dy. Registrar (Academic-I)
University of Rajasthan
Jaipur

	भाषा परीवर्तन की दिशायें एवं कारण, ध्वनि परिवर्तन की दिशायें एवं कारण, ध्वनि नियम (ग्रिम, ग्रासमैन, वर्नर, तालव्य, मूर्धन्य), अर्थ परिवर्तन की दिशाएँ तथा कारण, भारोपीय भाषा परिवार का सामान्य परिचय	

2	निरुक्त (अध्याय 1 और 2) चार पद–नाम का विचार, आख्यात का विचार, उपसर्गो का अर्थ, निपातों की कोटियॉ क्रिया के छः(6) रुप (षड्भावविकार) निरुक्त के अध्ययन के उद्देश्य निर्वचन के सिद्धान्त	10 10 10 10 10

सहायक पुस्तकें–

1. एन इन्ट्रोडक्शन टू कम्परेटिव फिलोलोजी, पुणे, ओरियंटल बुक एजेंसी, पूना
2. लिंग्विस्टिक इन्ट्रोडक्शन टू संस्कृत – बटकृष्ण घोष, इण्डियन इन्स्टीट्यूट, कोलकाता।
3. तुलनात्मक भाषाशास्त्र – डॉ0 मंगलदेव शास्त्री
4. भाषाविज्ञान – डॉ0 भोलानाथ तिवारी, किताब महल, इलाहाबाद
5. संस्कृत का भाषाशास्त्रीय अध्ययन – डॉ. भोलाशंकर व्यास – भारतीय ज्ञानपीठ, काशी।
6. संस्कृत भाषाविज्ञान – डॉ. राजकिशोर सिंह, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा
7. एलीमेंट्स ऑफ दी साईन्स ऑफ लैंग्वेज, तारापोरेवाला, हिन्दी अनुवाद, मध्यप्रदेश हिन्दी अकादमी
8. संस्कृत का ऐतिहासिक एवं संरचनात्मक अध्ययन– देवीदत्त शर्मा, हरियाणा ग्रन्थ अकादमी।
9. भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र– डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय, प्रकाशन वाराणसी।
10. निरुक्त– डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
11. निरुक्त– प्रो. सुभाष वेदालंकार, अलंकार प्रकाशन, जयपुर।
12. निरुक्त– डॉ. देवेन्द्र नाथ पाण्डे, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी ।

San-A04 संस्कृत साहित्य का इतिहास, संस्कृति एवं निबन्ध		
1	संस्कृत साहित्य का इतिहास (वैदिक)	15
2	संस्कृत साहित्य का इतिहास (लौकिक)	15
3	शास्त्रीय साहित्य का इतिहास	15
4	भारतीय संस्कृति –पुरुषार्थ, धर्म, शिल्पकला तथा मनोरंजन	20
5	अपठित गद्य एवं पद्य। (संस्कृत से हिन्दी में अनुवाद)	15
6	निबन्ध (संस्कृत भाषा में) – संस्कृत साहित्य की विविध प्रवृत्तियां, संस्कृत साहित्य की विकासयात्रा, संस्कृत के कवि, संस्कृत और आधुनिक विश्व, राष्ट्रीय भावना और संस्कृत, संस्कृत साहित्य में विज्ञान	20

Dy. Registrar (Academic-I)
University of Rajasthan
Jaipur

सहायक पुस्तकें–

1. संस्कृत साहित्य को इस्लाम परंपरा का योगदान – डॉ. राधावल्लभ त्रिपाठी, संस्कृत परिषद
2. संस्कृत साहित्य की रुपरेखा – पाण्डे एवं व्यास
3. संस्कृत साहित्य का इतिहास – डॉ. उमाशंकर शर्मा ऋषि
4. संस्कृत साहित्य और आलोचना– डॉ. बल्देव उपाध्याय, शारदा मन्दिर, प्रकाशन
5. संस्कृत साहित्य का इतिहास – डॉ. बल्देव उपाध्याय, शारदा मन्दिर, प्रकाशन
6. संस्कृत साहित्य का संक्षिप्त इतिहास – डॉ. वाचस्पती गेरोला, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी
7. संस्कृत साहित्य का का आलोचनात्मक इतिहास – डॉ. कपिलदेव द्विवेदी
8. संस्कृत साहित्य का का आलोचनात्मक इतिहास – डॉ. रामजी उपाध्याय, राम नारायण लाल बेनीमाधव, इलाहाबाद
9. संस्कृत साहित्य का का समीक्षात्मक इतिहास – डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, रामनारायण, विजय कुमार, इलाहाबाद
10. संस्कृत साहित्य की रुपरेखा – चन्द्रशेखर एवं पाण्डेय, साहित्य निकेतन, कानपुर
11. निबन्ध शतकम् – प्रो. सुभाष वेदालंकार
12. निबन्ध शतकम – डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
13. वैदिक साहित्य एवं संस्कृति– डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
14. भारतीय संस्कृति – डॉ. रामदेव साहू
15. प्राचीन भारत का साहित्यिक एवं सास्कृतिक इतिहास–डॉ. निरंजन सिंह योगमणि, रिसर्च पब्लिकेशन, जयपुर
16. प्राचीन भारत का राजनीतिक एवं सांस्कृतिक इतिहास–डॉ विमल चन्द्र पाण्डे, इलाहाबाद प्रकाशन
17. प्राचीन भारतीय सांस्कृतिक मूलतत्व–डॉ बाबूराम त्रिपाठी, महालक्ष्मी प्रकाशन, आगरा

Dy. Registrar (Academic-I)
University of Rajasthan
Jaipur

एम.ए. द्वितीय सेमेस्टर 2020–21

San-201 भारतीय दर्शन		
1	वेदान्तसार	40
2	योगसूत्रम् (प्रथम, द्वितीय एवं चतुर्थपाद भोजवृत्ति सहित)	60

सहायक पुस्तकें–

1. वेदान्तसार– डॉ. कृष्णकान्त त्रिपाठी, साहित्य भंडार, मेरठ
2. वेदान्तसार–सन्तराम श्रीवास्तव
3. वेदान्तसार–डॉ. शिवसागर त्रिपाठी, ज्ञान प्रकाशन
4. वेदान्तसार–श्री रामशरण शास्त्री, चौखम्बा वाराणसी
5. पातंजल योगदर्शनम्– डॉ. सुरेशचन्द श्रीवास्तव, चौखम्बा सुरभारती वाराणसी
6. भारतीय दर्शन– सं. डॉ. बाबूराम त्रिपाठी, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा
7. भारतीय दर्शन– डॉ. नन्दकिशोर देवराज, उत्तरप्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ

San-202 भारतीय साहित्यशास्त्र		
1	साहित्यदर्पण (प्रथम, द्वितीय, तृतीय (29वीं कारिका पर्यन्त) एवं षष्ठ परिच्छेद)	50
2	काव्यप्रकाश (चतुर्थ, पंचम, षष्ठ तथा सप्तम में रसदोष प्रकरण)	50

सहायक पुस्तकें–

1. साहित्यदर्पण– डॉ. निरूपण विद्यालंकार, साहित्य भंडार मेरठ
2. साहित्यदर्पण– डॉ. शेषराज रेग्मी
3. साहित्यदर्पण–डॉ. शालगराम शास्त्री
4. साहित्यदर्पण– डॉ. सत्यव्रत सिंह
5. काव्यप्रकाश–डॉ. पारसनाथ द्विवेदी, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा
6. काव्यप्रकाश–आचार्य विश्वेश्वर सिद्धान्त शिरोमणि, ज्ञान मण्डल, वाराणसी
7. भारतीय साहित्यशास्त्र–डॉ. बलदेव उपाध्याय
8. हिस्ट्री ऑफ अलंकार लिटरेचर–डॉ. पी.वी. काणे
9. काव्यशास्त्र–डॉ. विक्रमादित्य राय
10. काव्यप्रकाश–डॉ. सत्यव्रत सिंह, चौखम्बा, वाराणसी
11. भारतीय साहित्यशास्त्र की रूपरेखा–डॉ. त्र्यम्बक देशपांडे

San-203 व्याकरण एवं व्याकरण दर्शन		
1.	**लघुसिद्धान्तकौमुदी** 1. कृत्यप्रक्रिया एवं कृदन्त 2. हिन्दी से संस्कृत में अनुवाद 3. अपठित संस्कृत गद्यांश का हिन्दी में अनुवाद 4. वाक्यपदीयम् (ब्रह्मकाण्ड)	 20 20 20 40

Raj [signature]

Dy. Registrar (Academic-I)
University of Rajasthan
Jaipur

सहायक पुस्तकें–

1. लघुसिद्धान्तकौमुदी– भीमसेन शास्त्री, भैमी प्रकाशन दिल्ली
2. लघुसिद्धान्तकौमुदी–– महेश सिंह कुशवाहा
3. लघुसिद्धान्तकौमुदी– डॉ. अर्कनाथ चौधरी, आयुर्वेद हिन्दी संस्कृत पुस्तक भंडार, जयपुर
4. वाक्यपदीयम्– भर्तृहरि
5. वाक्यपदीयम्– व्या. सूर्यनारायण शुक्ल

San-B01 वैदिक साहित्य

1	वैदिक वाङ्मय का इतिहास (संहिता, ब्राह्मण, आरण्यक, उपनिषद् एवं सूत्र साहित्य)	30
2	वेदागों का सामान्य परिचय (विषय वस्तु एवं विशेषताएँ)	20
3	प्रमुख संवाद सूक्त (पुरुरवा–उर्वशी, यम–यमी, सरमा–पणि, विश्वामित्र नदी संवाद)	20
4	वैदिक काल निर्धारण विषयक भारतीय एवं पाश्चात्य सिद्धान्त	10
5	प्रमुख वेद भाष्यकार–सायण, मैक्डानल, दयानन्द सरस्वती, मैक्समूलर, बालगंगाधर तिलक, मधुसुदन ओझा	10
6	शिवसंकल्पसूक्त–यजुर्वेद	10

सहायक पुस्तकें–

1. वैदिक वाङ्मय का इतिहास–श्री रमाकांत शास्त्री, चौखम्बा, वाराणसी
2. वैदिक साहित्य और संस्कृति– श्री वाचस्पति गैरोला, चौखम्बा, वाराणसी
3. वैदिक साहित्य का इतिहास– डॉ. पारसनाथ द्विवेदी, चौखम्बा, वाराणसी
4. वैदिक साहित्य का इतिहास, डॉ. कर्ण सिंह, साहित्य भंडार, मेरठ
5. वैदिक साहित्य का इतिहास, डॉ. कृष्ण कुमार, साहित्य भंडार, मेरठ
6. संस्कृत का ऐतिहासिक एवं संरचनात्मक अध्ययन–देवीदत्त शर्मा, हरियाणा ग्रन्थ अकादमी
7. यजुर्वेद संहिता, स्वामी दयानन्द भाष्य, सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा, दिल्ली
8. शिवसंकल्पसूत्रम्, डॉ. त्रिलोकी नाथ द्विवेदी, चौखम्बा सुरभारती, वाराणसी
9. शुक्लयजुर्वेद संहिता, डॉ. रामकृष्ण शास्त्री, चौखम्बा, वाराणसी

San-B02 साहित्य एवं धर्मशास्त्र

1	काव्यालंकार–भामह (प्रथम एवं द्वितीय परिच्छेद)	50
2	गौतम धर्मसूत्र (सम्पूर्ण)	50

सहायक पुस्तकें–

1. काव्यालंकार–पंडित रामदेव शुक्ल, चौखम्बा, वाराणसी

Dy. Registrar (Academic-I)
University of Rajasthan
Jaipur

2. काव्यालंकार– बटुकनाथ शर्मा
3. अलंकारशास्त्र का इतिहास– डॉ. कृष्ण कुमार, दिल्ली
4. हिस्ट्री ऑफ अलंकार लिट्रेचर– डॉ. पी.वी. काणे
5. भारतीय साहित्यशास्त्र–डॉ.बलदेव उपाध्याय
6. गौतम धर्मसूत्राणि, हिन्दी व्या. डॉ. उमेशचन्द्र पाण्डे, चौखम्बा, वाराणसी
7. धर्मशास्त्र का इतिहास, प्रथम खण्ड, डॉ. पी.वी. काणे, उत्तरप्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ,
8. धर्मकल्पद्रुम, डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा, वाराणसी
9. सर्वधर्मकोश, डॉ. रामस्वरूप 'रसिकेश', चौखम्बा, वाराणसी

San-B03 ललित साहित्य एवं साहित्यशास्त्र		
1	रत्नावली	40
2	काव्यप्रकाश अष्टम उल्लास तथा नवम, दशम उल्लास से चुने हुए अलंकार भेद प्रभेद सहित (उपमा, रूपक, श्लेष, उत्प्रेक्षा, अतिशयोक्ति, भ्रान्तिमान, सन्देह, विभावना, विशेषोक्ति, दीपक, निदर्शना, अप्रस्तुतप्रशंसा, समासोक्ति, स्वभावोक्ति, अर्थान्तरन्यास, भ्रान्तिमान	40
3	मध्यमव्यायोग – भास	20

सहायक पुस्तकें–

1. काव्यप्रकाश–मम्मट व्याख्या– डॉ. पारसनाथ द्विवेदी, विनोद पुस्तक मंदिर आगरा
2. काव्यप्रकाश–आचार्य विश्वेश्वर सिद्धान्त शिरोमणि, ज्ञानमण्उल, वाराणसी
3. रत्नावली नाटिका–पंडित परमेश्वरदीन पाण्डेय, चौखम्बा सुरभारती, वाराणसी
4. रत्नावली नाटिका– डॉ. शिवराज शास्त्री, साहित्य भंडार, सुभाष बाजार, मेरठ
5. काव्यप्रकाश–डॉ. सत्यव्रत सिंह, चौखम्बा, वाराणसी
6. कर्णभारम्– रामजी मिश्र, चौखम्बा, वाराणसी
7. भासनाटकचक्रम–आचार्य बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा, वाराणसी

San-B04 इतिहास एवं पुराण		
1	रामायण (वाल्मीकिकृत) –रचनाकाल, वस्तु तथा काव्यसौन्दर्य, रामायण का क्रम, रामायण में आख्यान, परवर्ती ग्रन्थों के लिये प्रेरणास्रोत, रामायण का साहित्यिक महत्त्व, रामायणकालीनसंस्कृति एवं समाज।	35
2	महाभारत– रचनाकाल, वस्तु तथा काव्यसौन्दर्य, महाभारत का क्रम, महाभारत में आख्यान, परवर्ती ग्रन्थों के लिये प्रेरणास्रोत, महाभारत का साहित्यिक महत्त्व, महाभारतकालीन समाज।	35
3	पुराण की परिभाषा, महापुराण एव उपपुराण, पुराणलक्षण, अष्टादश पुराणों का परिचय, पुराणों में इतिहास, पौराणिक धर्म, पुराणों का देश की भावनात्मक अखण्डता में योगदान, सांस्कृतिक महत्त्व, पौराणिक आख्यान।	30

सहायक पुस्तकें–

1. संस्कृत साहित्य का इतिहास (वलदेव उपाध्याय), शारदानिकेतन, वाराणसी।

Dy. Registrar (Academic-I)
University of Rajasthan
Jaipur

2. नलोपाख्यान – चौखम्बा संस्कृत सीरीज, वाराणसी।
3. पुराणविमर्श – (बलदेव उपाध्याय) चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी।
4. इतिहास पुराण का अनुशीलन – (रमाशंकर भट्टाचार्य / इण्डोलाजिकल)
5. पुराण तत्त्वमीमांसा, श्री कृष्णमणि त्रिपाठी, चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान / बुक हाउस, वाराणसी।
6. महाभारत मे ं काव्यसौन्दर्य – – डॉ. सरला दीक्षित, प्रतिभा प्रकाशन, दिल्ली।
7. भारतीय संस्कृति – डॉ. रामलाल सिंह
8. महाभारत मे ं नारी – डॉ. वनमाला भवालकर
9. सर्वधर्म कोष – डॉ. रामसरूप 'रसिकेश', चौखम्बा–प्रकाशन, वाराणसी
10. महाभारतीय संस्कृति कोष – रामजी उपाध्याय, चौखम्बा–प्रकाशन, वाराणसी
11. संस्कृत महाकाव्य की परम्परा – डॉ. केशव राव मुसलगॉवकर, चौखम्बा–प्रकाशन, वाराणसी
12. संस्कृत शास्त्रों का इतिहास – डॉ. बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा–प्रकाशन, वाराणसी

Raj | Vai

Dy. Registrar (Academic-I)
University of Rajasthan
Jaipur

एम.ए. तृतीय सेमेस्टर 2021–22

San-301 व्याकरण		
1	व्याकरणमहाभाष्य (पस्पशाह्निक)	30
2	लघुसिद्धान्त कौमुदी (स्त्री प्रत्यय)	20
3	लघुसिद्धान्त कौमुदी (तद्धित प्रकरण–साधारण प्रत्यय, अपत्याधिकार, शैषिक एवं प्राग्दीव्यतीय प्रकरण)	30
4	सिद्धान्तकौमुदी का मत्वर्थीयप्रकरण	20

सहायक पुस्तकें–

1. व्याकरण महाभाष्य, डॉ. युधिष्ठिर मीमांसक, रामलाल कपूर ट्रस्ट, बहालगढ़, हरियाणा
2. व्याकरण महाभाष्य, प्रथम भाग, –प्रदीप, उद्योत तथा पायगुण्डे कृत छाया टीका, चौखम्बा, वाराणसी
3. व्याकरण महाभाष्य, मधुसूदन प्रसाद मिश्र, चौखम्बा, वाराणसी
4. व्याकरणशास्त्र का इतिहास, डॉ. युधिष्ठिर मीमांसक, रामलाल कपूर ट्रस्ट, बहालगढ़, हरियाणा
5. लघुसिद्धान्तकौमुदी– भीमसेन शास्त्री, दिल्ली
6. लघुसिद्धान्तकौमुदी–– महेश सिंह कुशवाहा
7. लघुसिद्धान्तकौमुदी– डॉ. अर्कनाथ चौधरी, आयुर्वेद हिन्दी संस्कृत पुस्तक भंडार, जयपुर
8. सिद्धान्तकौमुदी–बाल मनोरमा एवं दीपिका टीका सहित, श्री गोपालदत्त पाण्डे, चौखम्बा वाराणसी
9. सिद्धान्तकौमुदी–श्री वासुदेवलक्ष्मणशास्त्रीपणशीकर, चौखम्बा, वाराणसी

San-302 आधुनिक संस्कृत साहित्य		
1	विवेकानन्दविजयम् डॉ0 श्रीधरभास्कर वर्णेकर	40
2	मधुच्छन्दा डॉ0 हरिराम आचार्य	20
3	पद्मिनी – मोहन लाल शर्मा पाण्डेय	20
4	अभिनवकाव्यालंकार सूत्रम् (काव्यस्वरूप मीमांसा)–प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी	20

सहायक पुस्तकें–

1. विवेकानन्द विजयम् – श्री भास्कर वर्णेकर
2. मधुच्छन्दा – डॉ हरिराम आचार्य, जगदीश पुस्तक भण्डार, जयपुर
3. अभिनवकाव्यालंकार सूत्रम् – प्रो राधावल्लभ त्रिपाठी
4. पदमिनी – मोहन लाल शर्मा पाण्डेय, राजस्थान संस्कृत अकादमी जयपुर
5. अभिनवकाव्यालंकारसूत्रम्–सालोचनं विमर्शः– प्रवीण पण्ड्या, राष्ट्रीय संस्कृत साहित्य केन्द्र, जयपुर

Dy. Registrar (Academic-I)
University of Rajasthan
Jaipur

San-303 साहित्यशास्त्र		
1	ध्वन्यालोक (प्रथम, द्वितीय उद्द्योत)	60
2	वक्रोक्तिजीवितम (प्रथम उन्मेष)	40

सहायक पुस्तकें–

1. ध्वन्यालोक–डॉ. सुरेन्द्र देव स्नातक, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
2. ध्वन्यालोक–डॉ. कृष्ण कुमार, साहित्य भंडार, मेरठ
3. वक्रोक्तिजीवितम्–राधेश्याम मिश्र
4. वक्रोक्तिजीवितम् प्रथम व द्वितीय उन्मेश, डॉ. दशरथ द्विवेदी
5. वक्रोक्तिजीवितम् श्री परमेश्वरदीन पाण्डेय चौखम्बा सुरभारती वाराणसी

San-C-01 नाटक तथा नाट्यशास्त्र		
1	दशरूपकम् (प्रथम, द्वितीय, चतुर्थ प्रकाश)	40
2	वेणीसंहार (सम्पूर्ण)	30
3	मुद्राराक्षसम् (सम्पूर्ण)	30

सहायक पुस्तकें–

1. दशरूपक (नान्दी टीका)– डॉ. रामजी उपाध्याय, संस्कृत परिषद, सागर विश्वविद्यालय, सागर
2. दशरूपकतत्त्वदर्शनम्– डॉ. रामजी उपाध्याय, संस्कृत परिषद, सागर विश्वविद्यालय, सागर
3. मध्यकालीन संस्कृत नाटक– डॉ. रामजी उपाध्याय, संस्कृत परिषद, सागर विश्वविद्यालय, सागर
4. दशरूपकम – डॉ. भोलाशंकर व्यास, चौखम्बा–प्रकाशन, वाराणसी
5. वेणीसंहार– तारिणीश झा
6. वेणीसंहार नाटकम – पं. श्री परमेश्वर दीन पाण्डेय, चौखम्बा–प्रकाशन, वाराणसी
7. वेणीसंहार – डॉ. कृष्ण कान्त त्रिपाठी, साहित्य भण्डार, मेरठ
8. मुद्राराक्षस नाटक – डॉ. निरूपण विद्यालंकार, साहित्य भण्डार, मेरठ
9. मुद्राराक्षस नाटकम् – पं. श्री परमेश्वर दीन पाण्डेय, चौखम्बा–प्रकाशन, वाराणसी

San-C-02 गद्य–पद्य–चम्पू		
1	कादम्बरी (महाश्वेता वृत्तान्तपर्यन्त)	40
2	नैषधीयचरितम् (प्रथम सर्ग)	30
3	दशकुमारचरितम् (अष्टमोच्छवास)	30

सहायक पुस्तकें–

1. कादम्बरी – आचार्य श्री शेषराज शर्मा रेग्मी – चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
2. कादम्बरी – श्री प्रद्युम्न पाण्डेय, चौखम्बा–प्रकाशन, वाराणसी

Dy. Registrar (Academic-I)
University of Rajasthan
Jaipur

3. कादम्बरी : एक सांस्कृतिक अध्ययन– डॉ. वासुदेव शरण अग्रवाल, चौखम्बा–प्रकाशन, वाराणसी
4. कादम्बरी (पूर्वार्द्ध) – डॉ. श्रीनिवास शास्त्री, साहित्य भण्डार, मेरठ
5. नैषधपरिशीलन – चण्डिकाप्रसाद शुक्ल
6. नैषधीयचरितम् – आचार्य शेषराज रेग्मी, चौखम्बा–प्रकाशन, वाराणसी
7. नैषधमहाकाव्य – डॉ. देवनारायण मिश्र, साहित्य भणडार, मेरठ
8. दशकुमारचरित – श्रीकृष्ण मणि त्रिपाठी, चौखम्बा–प्रकाशन, वाराणसी
9. दशकुमारचरितम्– डॉ. सुरेन्द्र देव शास्त्री, साहित्य – भणडार, मेरठ

San-C-03 -- न्याय एवं वेदान्त दर्शन		
1	न्यायसूत्र (वात्स्यायन भाष्य सहित) प्रथम अध्याय मात्र	35
2	न्यायसिद्धान्तमुक्तावली (शब्दखण्ड मात्र)	30
3	ब्रह्मसूत्र चतुःसूत्री–शांकरभाष्य	35

सहायक पुस्तकें–

1. न्यायसूत्र वात्स्यायन भाष्य, सं. स्वामी द्वारिकादास शास्त्री, प्र. बौद्ध भारती, वाराणसी
2. न्यायसिद्धान्तमुक्तावली (प्रत्यक्षखण्ड), व्याख्याकार – डॉ. श्री गजानन शास्त्री मुसलगॉवकर चौखम्बासुरभारती, वाराणसी
3. कारिकावली–न्यायमुक्तावली संवलिता, व्याख्याकार – आत्माराम शर्मा, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी
4. न्यायसिद्धान्तमुक्तावली – आचार्य लोकमणि दाहाल, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
5. न्यायदर्शनम् – ठाकुर उदय नारायण सिंह, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
6. ब्रह्मसूत्र शांकरभाष्य – स्वामी योगीन्दानन्द, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
7. ब्रह्मसूत्रशांकरभाष्य – आचार्य विश्वेश्वर सिद्धान्तशिरोमणि, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
8. Brahmasutra Catursutri – By Pandit Hardutt Sharma चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी

San-C-04 धर्मशास्त्रीय वाङ्मय का परिचय		
1	प्रमुख धर्मग्रन्थ एवं धर्मशास्त्रकारों का परिचय (धर्मशास्त्र का इतिहास, प्रथमखण्ड, डॉ. पी.वी.काणे के आधार पर)	50
2	धर्मसिन्धु (प्रथम एवं द्वितीय परिच्छेद)–काशीनाथ उपाध्याय	50

सहायक पुस्तकें–

1. धर्मशास्त्र का इतिहास, प्रथमखण्ड, डॉ. पी.वी.काणे, उत्तरप्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ
2. धर्मकल्पद्रुम – डॉ. राजेन्द्रप्रसादशर्मा, वाराणसी
3. धर्मसिन्धु – सं.– श्री वासुदेव लक्ष्मण शास्त्री–पणशीकर, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
4. धर्मसिन्धु – पं. राजवैद्य रविदत्त शास्त्री, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
5. धर्मद्रुम – आचार्य राजेन्द्र पाण्डेय, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
6. भारतीय धर्मशाखाएँ और उनका इतिहास – वाचस्पति गैरोला, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी

Raj Jain

Dy. Registrar (Academic-I)
University of Rajasthan
Jaipur

एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर 2021–22

San-401 व्याकरण एवं निबन्ध		
1	समास प्रकरण (लघुसिद्धान्तकौमुदी)	50
2	कारक प्रकरण (सिद्धान्तकौमुदी)	30
3	निबन्ध (वेद, दर्शन, साहित्य, धर्मशास्त्र, ज्योतिष एवं व्याकरण सम्बन्धी विषयों पर)	20

सहायक पुस्तकें–

1. लघुसिद्धान्तकौमुदी – भीमसेन शास्त्री
2. लघुसिद्धान्तकौमुदी – महेश सिंह कुशवाहा
3. कारकदर्शनम् – डॉ. कलानाथ झॉ, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
4. सिद्धान्तकौमुदी – कारक प्रकरण – उमेश चन्द्र पाण्डे, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
5. सिद्धान्तकौमुदी – श्री गोपाल दत्त पाण्डे, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
6. संस्कृत निबन्धशतकम् – डॉ. कपिलदेव द्विवेदी – विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
7. प्रौढरचनानुवादकौमुदी – डॉ. कपिलदेव द्विवेदी – विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
8. संस्कृत व्याकरण – डॉ. बाबूराम त्रिपाठी, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा
9. संस्कृत निबन्धावली – रामजी उपाध्याय, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
10. निबन्ध मंजरी – पं. गिरिधरशर्मा चतुर्वेदी, शारदा मन्दिर दिल्ली
11. प्रबन्ध प्रकाश – डॉ. मंगलदेव शास्त्री, इलाहाबाद

नोट :– निम्नलिखित शोध पत्रिकाएँ भी पठनार्थ अनुमोदित है–

1. सागरिका –संस्कृत विभाग, सागर विश्वविद्यालय, सागर
2. संस्कृतप्रतिभा – साहित्य अकादमी, दिल्ली
3. सारस्वतीसुषमा – वाराणसेय संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी
4. भारती – (मासिक) भारती भवन कार्यालय, जयपुर
5. स्वरमंगला (त्रैमासिक) राजस्थान संस्कृत अकादमी, जयपुर
6. पावमानी – स्वामी समर्पणानन्द वैदिक शोध संस्थान, गुरूकुल प्रभात आश्रम, मेरठ

San-402 प्राचीन संस्कृत साहित्य		
1	विक्रमांकदेवचरितम् (प्रथम सर्ग बिल्हण)	30
2	शिशुपालवध (प्रथम एवं द्वितीय सर्ग)	40
3	कौटिल्य अर्थशास्त्र (विनयाधिकारिक प्रथम अधिकरण)	30

सहायक पुस्तकें–

1. विक्रमांकदेवचरितम् – पं. हरगोविन्द शास्त्री, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
2. विक्रमांकदेवचरितम् – डॉ. श्रीकान्त पाण्डे , साहित्य भण्डार, मेरठ
3. विक्रमांकदेवचरितम् – साहित्य निकेतन, कानपुर

Dy. Registrar (Academic-I)
University of Rajasthan
Jaipur

4. शिशुपालवधम् – डॉ. देव नारायण मिश्र, साहित्य भण्डार, मेरठ
5. शिशुपालवधम् – श्री हरगोविन्द शास्त्री, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
6. शिशुपालवधम् – श्री रामजीलाल शर्मा, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
7. कौटिल्य अर्थशास्त्र – डॉ. जय कुमार जैन, साहित्य भण्डार, मेरठ
8. कौटिल्य अर्थशास्त्रम् – श्री वाचस्पति गैरोला, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी

San-403 नाटक तथा काव्यशास्त्र

1	उत्तररामचरितम्–भवभूति	40
2	पाश्चात्य काव्यशास्त्र का इतिहास, विरेचन सिद्धान्त, अनुकरण सिद्धान्त, उदात्तीकरण, अभिव्यक्तिवाद	30
3	रस, रीति, औचित्य, वक्रोक्ति, ध्वनि एवं अलंकार सम्प्रदाय का परिचय	30

सहायक पुस्तकें–

1. उत्तरामचरितम् – डॉ. कपिल देव दिवेद्धी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
2. उत्तरामचरितम् – श्री शेषराज शर्मा, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
3. पाश्चात्य आलोचना के सिद्धान्त – भागीरथ मिश्र
4. भारतीय साहित्य शास्त्र – बलदेव उपाध्याय
5. भारतीय साहित्य शास्त्र की रूपरेखा – डॉ. त्रयंबक देश पाण्डे
6. अंलकार शास्त्र की परम्परा – डॉ. राजवंश सहाय, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
7. भारतीय साहित्य शास्त्र और काव्यालंकार – डॉ. भोला शंकर व्यास, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
8. साहित्य लोक – डॉ. राजवंश सहाय, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी

San-D-01 साहित्यशास्त्र

1	काव्यादर्श (प्रथम परिच्छेद)	20
2	रसगंगाधर (प्रथम आनन) (शान्तरसव्यवस्थापनपर्यन्त)	40
3	काव्यमीमांसा (1 से 5 अध्याय) राजशेखर	40

सहायक पुस्तकें–

1. काव्यादर्श – रामचन्द्र मिश्र, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
2. रसगंगाधर – आचार्य बद्रीनाथ झॉ, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
3. रसगंगाधर – डॉ. जय कुमार जैन, साहित्य भण्डार, मेरठ
4. काव्यमीमाँसा, राजशेखर, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी
5. रसालोचनम् – ब्रह्मानन्द शर्मा, चौखम्बा विधाभवन, वाराणसी

San-D-02 गद्य–पद्य–चम्पू

1	हर्षचरितम् (पंचमोच्छ्वास)	30
2	कुमारसम्भवम्–पंचम सर्ग	40
3	बुद्धचरितम्–प्रथम सर्ग	30

Raj Nair

Dy. Registrar (Academic-I)
University of Rajasthan
Jaipur

सहायक पुस्तकें–

1. हर्षचरितम् – आचार्य जगन्नाथ पाठक, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
2. हर्षचरितम् – डॉ. कृष्ण कुमार , साहित्य भण्डार, मेरठ
3. कालिदास ग्रंथावली – रामतेज पाण्डेय, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
4. कुमारसम्भवम् – सुरेन्द्र देव शास्त्री, साहित्य भण्डार, मेरठ
5. कुमारसम्भवम् – श्री प्रद्युम्न पाण्डेय, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
6. कुमारसम्भवम् – श्री कृष्ण मणि त्रिपाठी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
7. बुद्धचरितम् – डॉ. रमा दुबलिश, साहित्य भण्डार, मेरठ
8. बुद्धचरितम् – महन्त श्री रामचन्द्र दास शास्त्री, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी

San-D-03 मीमांसा एवं काश्मीर शैव दर्शन

1	परमार्थसार (सम्पूर्ण)	50
2	अर्थसंग्रह (सम्पूर्ण)	50

सहायक पुस्तकें–

1. अर्थसंग्रह – दया शंकर शास्त्री, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
2. अर्थसंग्रह – डॉ. कामेश्वर नाथ मिश्र, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
3. अर्थसंग्रह – डॉ. सत्यप्रकाश शर्मा, साहित्य भण्डार, मेरठ
4. सर्वदर्शन संग्रह – डॉ. उमा शंकर शर्मा, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
5. भारतीय दर्शन – डॉ. बलदेव उपाध्याय, शारदा मन्दिर, वाराणसी
6. भारतीय दर्शन – डॉ. उमेश मिश्र, हिन्दी समिति उत्तरप्रदेश सरकार, लखनऊ
7. भारतीय दर्शन का इतिहास – कलानाथ शास्त्री, राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी, जयपुर
8. परमार्थसार – डॉ. कमला द्विवेदी, मोतीलाल बनारसी दास, दिल्ली
9. परमार्थसार – योगराजकृत विवृति सहित काश्मीर ग्रंथावली, श्रीनगर
10. परमार्थसार – सूर्यनारायण शुक्ल, अच्युतग्रन्थमाला कार्यालय, वाराणसी

San-D-04 राजस्थान के आधुनिक संस्कृत विद्वान् एवं काव्य

1	भृत्याभरणम् – पंडित श्री राम दवे	50
2	राजस्थान के आधुनिक संस्कृत विद्वान् (गिरिधर शर्मा चतुर्वेदी, भट्ट मथुरानाथ शास्त्री, पं. मधुसूदन ओझा, मोतीलाल शास्त्री, ब्रह्मानन्द शर्मा, पद्म शास्त्री, कलानाथ शास्त्री, प्रभाकर शास्त्री, हरिराम आचार्य, नवलकिशोर कांकर, आचार्य रामचन्द्र द्विवेदी, डॉ. चन्द्रकिशोर गोस्वामी, डॉ. गंगाधर भट्ट)	50

सहायक पुस्तकें–

1. भृत्याभरणम् -- पंडित श्री राम दवे– जोधपुर
2. राजस्थान की सारस्वत साधना – सम्पा. डॉ प्रभाकर शास्त्री, राजस्थन संस्कृत अकादमी, जयपुर
3. राजस्थानीयमभिनव संस्कृत साहित्यम् (प्रथम खण्ड से पंचम खण्ड तक) – डॉ गंगाधर भट्ट, राजस्थन संस्कृत अकादमी, जयपुर

Dy. Registrar (Academic-I)
University of Rajasthan
Jaipur